दैनिक सवेरा टाइम्स

Date: 24.04.2024

पुस्तकें ज्ञान का सबसे अच्छा स्त्रोत : डा. रणपाल सिंह

सवेरा न्यूज/नरेंद्र

जींद, 23 अप्रैल : विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट डे पर चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के सेंट्रल लाइब्रेरी व लाइब्रेरी साइंस विभाग द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति डा. रणपाल सिंह ने कहा कि विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस एक महत्वपूर्ण दिन है जो प्रतिवर्ष 23 अप्रैल को मनाया जाता है। यह दिन विश्व भर में पुस्तकों और साहित्यिक संपत्ति की महत्वता को मान्यता देता है, साथ ही कॉपीराइट के महत्व को भी उजागर करता है। उन्होंने पुस्तकों के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि पुस्तकें ज्ञान का बहुत अच्छा स्त्रोत होती हैं। वे हमें विभिन्न विषयों में जानकारी प्रदान करती हैं, जैसे कि इतिहास, विज्ञान, साहित्य, धर्म, और कला।

लाइब्रेरी में विद्यार्थियों से बातचीत करते डीन अकादमिक अफेयर्स प्रो. एसके सिन्हा।

डीन अकादमिक अफेयर्स प्रो. संजय कुमार सिन्हा ने कॉपीराइट के बारे में बताते हुए कहा कि कॉपीराइट एक कानूनी प्रावधान है जो एक व्यक्ति या संगठन को किसी आइडिया, लेख, कला, या अन्य साहित्यिक काम का मालिकाना अधिकार प्रदान करता है। यह अन्य लोगों को उस काम को अनैतिक तौर पर प्रिंट, प्रकाशित, कॉपी या परिवर्तित करने से रोकता है। बिना मालिक की अनुमति के कॉपीराइट कानून साहित्यिक संपत्ति के उपयोग, वितरण और व्यापारिक कार्यों को नियंत्रित करने के लिए होत है, ताकि रचनात्मक लोगों को उनके कामों के लिए वित्तीय और मानसिक संरक्षण मिल सके। पुस्तकों के विषय में बताते हुए उन्होंने कहा कि कइ पुस्तकें मनोरंजन का स्त्रोत भी होती हैं, जिनमें कहानियां, कविताएं, उपन्यास और कहानियों में रोमांस, रहस्य और रोचकता होती है। इसी कड़ी में इंचार्ज लाइब्रेरी डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि पुस्तकों को पढ़ने से हमारे व्यक्तित्व विकसित होता है पुस्तक विविध विषयों पर जानकारी प्रदान करके लोगों को समाज में जागरूक बनती हैं, उन्हें सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक मुद्दों के बारे में सोचने और उन पर विचार करने के लिए प्रेरित करती हैं

हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

Date: 24.04.2024

विवि में अभिभावक-शिक्षक बैठक का किया आयोजन

जींद। सीआरएसयू में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें माता-पिता और शिक्षकों दोनों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। जिससे रचनात्मक संवाद और प्रतिक्रिया के लिए एक मंच तैयार हुआ।

अमर उजाला

Date: 24.04.2024

पुस्तक का जीवन में विशेष महत्व : कुलपति

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में विश्व पुस्तक एवं कॉपी राइट डे पर मंगलवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यातिथि कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने कहा कि पुस्तकों का जीवन में विशेष महत्व है। पुस्तकें ज्ञान का बहुत अच्छा स्रोत हैं। वे हमें विभिन्न विषयों में जानकारी प्रदान करती हैं। डीन अकादमिक अफेयर्स प्रो. संजय कुमार सिन्हा ने कॉपी राइट के बारे में बताते हुए कहा कि कॉपी राइट एक कानूनी प्रावधान है जो एक व्यक्ति या संगठन को किसी आईडिया, लेख, कला, या अन्य साहित्यिक काम का मालिकाना अधिकार प्रदान करता है। इंचार्ज लाइब्रेरी डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि पुस्तकों को पढ़ने से हमारे व्यक्तित्व विकसित होता है। पुस्तकें हमें समझदार, उत्कृष्ट और समाजसेवा के प्रति सजग बनाती हैं। संवाद

पंजाब केसरी

Date: 24.04.2024

सी.आर.एस.यू. में विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट-डे पर कार्यक्रम आयोजित

जींद, 23 अप्रैल (ललित) : 'विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट डे' पर चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के सैंट्रल लाइब्रेरी व लाइब्रेरी साइंस विभाग द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने कहा कि विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस एक महत्वपूर्ण दिन है जो प्रतिवर्ष 23 अप्रैल को मनाया जाता है। यह दिन विश्व भर में पुस्तकों और साहित्यिक सम्पत्ति की महत्ता को मान्यता देता है, साथ ही कॉपीराइट के महत्व को भी उजागर करता है एवं पुस्तकों के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि पुस्तकें ज्ञान का बहुत अच्छा स्रोत होती हैं। वे हमें विभिन्न विषयों में जानकारी प्रदान करती हैं, जैसे कि इतिहास, विज्ञान, साहित्य, धर्म और कला। उन्होंने कहा कि पुस्तक को पढ़ कर ही प्रत्येक व्यक्ति ज्ञानवान होता है और आधुनिक समय में प्रत्येक विद्यार्थी को पुस्तकों से लगाव होना चाहिए, जिससे कि वह अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकता है।

पंजाब केसरी

Date: 24.04.2024

सी.आर.एस.यू. में हुआ अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन

जींद, 23 अप्रैल (ललित) : सी.आर.एस.यू. में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। इसमें माता-पिता और शिक्षकों दोनों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। जिससे रचनात्मक संवाद और प्रतिक्रिया के लिए एक मंच तैयार हुआ। विश्वविद्यालय कुलपति डा. रणपाल सिंह ने कहा कि छात्रों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने और विश्वविद्यालय और अभिभावकों के बीच संबंध को मजबूत करने में इस तरह की बातचीत अनिवार्य है।

बैठक को संबोधित करते प्रो. एस.के. सिन्हा।

प्रो. एस.के. सिन्हा ने छात्रों की शैक्षणिक यात्रा में माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सहायता प्रदान करने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने अभिभावकों से संकाय सदस्यों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने और अपने बच्चों की शिक्षा में शामिल रहने का आग्रह किया। डा. ममता ढांडा ने कहा कि अंग्रेजी विभाग विश्वविद्यालय और अभिभावकों के बीच संलग्नता को और मजबूत करने के लिए भविष्य में इस तरह के आयोजन करने के लिए तत्पर है। जिससे अंतत: समग्र छात्र समुदाय को लाभ होगा।

पंजाब केसरी

Date: 24.04.2024

सी.आर.एस.यू. में होटल मैनेजमैंट के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

जींद, 23 अप्रैल (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद के ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमैंट विभाग के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने सहायक प्रोफैसर पंकज एवं शैफ प्रवीण शर्मा के नेतृत्व में जींद शहर में स्थित बुलबुल रैस्टोरैंट एवं होटल हवेली का शैक्षणिक भ्रमण किया। विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने बताया कि किसी भी कोर्स में विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल एक्स्पोजर देना बहुत जरूरी है ताकि विद्यार्थी उस फील्ड में संभावनाओं और मौजूदा चुनौतियों के बारे में जान सकें।

विभाग के चेयरपर्सन व डीन अकादमिक अफेयर प्रो. संजय कुमार सिन्हा ने शैक्षणिक भ्रमण और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। होटल के सभी विभागों के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान विद्यार्थियों को फ्रंट ऑफिस विभाग में चैक इन और चैक आऊट तक की पूरी प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

साथ ही इस दौरान होटल प्रबंधन, रिसैप्शन, खानपान सेवाएं और संचालन के प्रमुख पहलुओं के बारे में भी विद्यार्थियों को अवगत करवाया गया।

दैनिक जागरण

Date: 24.04.2024

विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए पीटीएम जरूरी

जासं●जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग ने संकाय और अभिभावकों के बीच सहयोग एवं संचार को बढ़ावा देने के लिए अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) की। इस कार्यक्रम में माता-पिता और शिक्षकों दोनों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। वीसी डा. रणपाल सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने, विवि व अभिभावकों के बीच संबंध मजबूत करने में इस तरह की बातचीत अनिवार्य है। प्रो. एसके सिन्हा ने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व सहायता प्रदान करने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। डा. ममता ढांडा ने कहा कि अंग्रेजी विभाग विवि व अभिभावकों के बीच साझेदारी को मजबूत करने के लिए ऐसे कार्यक्रम करने के लिए तत्पर है।

दैनिक भास्कर
ई-पेपर

Date: 24.04.2024

विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट डे मनाया

जींद| सीआरएसयू में सेंट्रल लाइब्रेरी व लाइब्रेरी साइंस विभाग द्वारा \'विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट डे\' पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने कहा कि कॉपीराइट एक कानूनी प्रावधान है जो एक व्यक्ति या संगठन को किसी आइडिया, लेख, कला, या अन्य साहित्यिक काम का मालिकाना अधिकार प्रदान करता है। यह अन्य लोगों को उस काम को अनैतिक तौर पर प्रिंट, प्रकाशित, कॉपी, या परिवर्तित करने से रोकता है। बिना मालिक की अनुमति के कॉपीराइट कानून साहित्यिक संपत्ति के उपयोग, वितरण, और व्यापारिक कार्यों को नियंत्रित करने के लिए होता है, ताकि रचनात्मक लोगों को उनके कामों के लिए वित्तीय और मानसिक संरक्षण मिल सके। इस अवसर पर डॉ. शिव कुमार और सोनिया भी मौजूद रहे।

दैनिक भास्कर
ई-पेपर

Date: 24.04.2024

सीआरएसयू के अंग्रेजी विभाग में हुई अभिभावक -शिक्षक बैठक

भास्कर न्यूज | जींद

सीआरएसयू में मंगलवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। इसमें माता-पिता और शिक्षकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। प्रो एसके सिन्हा ने छात्रों की शैक्षणिक यात्रा में माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सहायता प्रदान करने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

उन्होंने अभिभावकों से संकाय सदस्यों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने और अपने बच्चों की शिक्षा में शामिल रहने का आग्रह किया। विभाग की प्रभारी डॉ. ममता ढांडा ने कहा कि अंग्रेजी विभाग विश्वविद्यालय और अभिभावकों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने के लिए भविष्य में इस तरह के आयोजन करने के लिए तत्पर हैं, जिससे अंततः समग्र छात्र समुदाय को लाभ होगा। उनकी सफलता सुनिश्चित करने के लिए पीटीएम ने माता-पिता को अपने बच्चों की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया।